



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 554]  
No. 554]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 20, 1992/श्रावण 29, 1914  
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 20, 1992/SRAVANA 29, 1914

इस भाग में मिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिनियम

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1992

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उपा-  
दलाल) नियम, 1992

का.आ. 6:7(अ) —कन्देल स.रा., भारतीय प्रतिभूति और  
विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) का प्रा. 19  
द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाते  
हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ — (1) इस विनियम का  
संक्षिप्त नाम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल  
और उपा-दलाल) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ :—इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्वया  
प्रपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
अधिनियम 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है।

(ख) "प्रमाणपत्र" से बोर्ड द्वारा जारी किया गया रजिस्ट्रिकरण  
प्रमाणपत्र अभिप्रेत है।

(ग) "नियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक  
दलाल और उपा-दलाल) नियम 1992 अभिप्रेत है।

(घ) "स्टॉक एक्सचेंज" से गेता स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जो  
प्रतिभूति बाजार (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956  
का 42) की प्रा. 4 के प्रमाण केन्द्रों में से एक द्वारा  
नियंत्रित माध्यमता प्राप्त है।

(ङ) "स्टॉक दलाल" से स्टॉक एक्सचेंज का कोई सदस्य  
अभिप्रेत है।

(च) "उपा-दलाल" से गेता बोर्ड द्वारा अभिप्रेत है जो स्टॉक  
एक्सचेंज का सदस्य न होते हुए, ऐसे स्टॉक दलालों की  
मार्फत प्रतिभूतियों के क्रय, विक्रय या उनके व्यवहार  
में विनिर्वातकर्ताओं की पड़ोशों के विवेक आ-दर्शों के रूप  
में या अन्यथा किता स्टॉक दलाल की ओर से कार्य करता  
है।

(ख) "विनियम" में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 अभिप्रेत है।

3. रजिस्ट्रार के बिना स्टॉक दलाल या उप-दलाल के रूप में कार्य न करवाएँ—कोई स्टॉक दलाल या उप-दलाल, प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय या उनका व्यवहार तब तक नहीं करेगा जब तक कि उसके पास विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा दिया गया कोई प्रमाणपत्र न हो :

परन्तु ऐसा कोई बंधन, जोर उभने ऐसे रजिस्ट्रार के नियमों का अन्वयन किया है प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय या उनका व्यवहार करना ऐसे अन्वयन के निपटारे आन तक जारी रख सकेगा।

4. स्टॉक दलाल को प्रमाणपत्र दिये जाने की शर्तें—बोर्ड किसी स्टॉक दलाल को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए प्रमाणपत्र दे सकेगा, अर्थात् :—

- (क) वह किसी स्टॉक एक्सचेंज का सदस्यता धारण करता है,
- (ख) वह उन स्टॉक एक्सचेंज या स्टॉक एक्सचेंजों के, जिनका वह सदस्य के विनियमों के अन्वयन और उप-विनियमों का पालन करेगा,
- (ग) प्रास्थिति और गठन में किसी परिवर्तन की दशा में, स्टॉक दलाल किसी स्टॉक एक्सचेंज में प्रतिभूतियों के क्रय, विक्रय या उनमें व्यवहार करना जारी रखने के लिए बोर्ड का पूर्व अनुज्ञा अधिप्राप्त करेगा,
- (घ) वह विनियमों में उपरिष्ठित रीति में फीस का संदाय करेगा; और
- (ङ) वह शिकायत मिलने की तारीख के एक मास के अन्तर विनिधानकर्ताओं को शिकायतों को दूर करने के लिये समुचित कदम उठाएगा और ऐसे विनिधानकर्ताओं में प्राप्त शिकायतों को संख्या, प्रकृति और अन्य विशिष्टियों के बारे में बोर्ड को सूचित रखेगा।

5. उप-दलाल को प्रमाणपत्र दिये जाने की शर्तें :—(1) बोर्ड उप-दलाल को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, प्रमाणपत्र दे सकेगा, अर्थात् :—

- (क) वह विनियमों में उपरिष्ठित रीति में फीस का संदाय करेगा,
- (ख) वह शिकायत मिलने की तारीख के एक मास के अन्तर विनिधानकर्ताओं को शिकायतों को दूर करने के लिये समुचित कदम उठाएगा और प्राप्त शिकायतों की संख्या, प्रकृति और अन्य विशिष्टियों के बारे में बोर्ड को सूचित रखेगा; और
- (ग) प्रास्थिति और गठन में किसी परिवर्तन की दशा में, उप-दलाल किसी स्टॉक एक्सचेंज में प्रतिभूतियों के क्रय, विक्रय या उनमें व्यवहार करना जारी रखने के लिये बोर्ड की पूर्व अनुज्ञा अधिप्राप्त करेगा ;
- (घ) वह स्टॉक एक्सचेंज का सदस्य होने के नाते प्रतिभूतियों के क्रय, विक्रय या उनके व्यवहार में स्वयं को सहबद्ध करने के लिये स्टॉक दलाल द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत किया जाता है ;

परन्तु ऐसा स्टॉक दलाल प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय या उनका व्यवहार करने के लिये हकदार है।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 20th August, 1992

### SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (STOCK BROKERS AND SUB-BROKERS) RULES, 1992

S.O. 627(E).—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(2) They shall come into force on the date of otherwise requires—

- (a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) "certificate" means a certificate of registration issued by the Board;
- (c) "rules" means the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Rules, 1992;
- (d) "stock exchange" means a stock exchange which is for the time being recognised by the Central Government under section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (52 of 1956);
- (e) "stock broker" means a member of a stock exchange;
- (f) "sub-broker" means any person not being a member of a stock exchange who acts on behalf of a stock-broker as an agent or otherwise for assisting the investors in buying, selling or dealing in securities through such stock-brokers;
- (g) "regulations" means the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992.

3. Not to act as stock-broker or sub-broker without registration.—No stock-broker or sub-broker shall buy, sell, deal in securities, unless he holds a certificate granted by the Board under the regulations :

Provided that such person may continue to buy, sell or deal in securities if he has made an application for such registration till the disposal of such application.

**4. Conditions for grant of certificate to stock-broker.**—The Board may grant a certificate to a stock-broker subject to the following conditions, namely :—

- (a) he holds the membership of any stock exchange;
- (b) he shall abide by the rules, regulations and bye-laws of the stock exchange or stock exchanges, of which he is a member,
- (c) in case of any change in the status and constitution, the stock broker shall obtain prior permission of the Board to continue to buy, sell or deal in securities in any stock exchange,
- (d) he shall pay the amount of fees for registration in the manner provided in the regulations, and
- (e) he shall take adequate steps for redressal of grievances of the investors within one month of the date of the receipt of the complaint and keep the Board informed about the number, nature and other particulars of the complaints received from such investors.

**5. Conditions of grant of certificate to sub-broker :—**(1) The Board may grant a certificate to a sub-broker subject to the following conditions, namely :—

- (a) he shall pay the fees in the manner provided in the regulations;
- (b) he shall take adequate steps for redressal of grievances of the investors within one month of the date of the receipt of the complaint and keep the Board informed about the number, nature and other particulars of the complaints received; and
- (c) in case of any change in the status and constitution, the sub-broker shall obtain prior permission of the Board to continue to buy, sell or deal in securities in any stock exchange;
- (d) he is authorised in writing by a stock-broker being a member of a stock exchange for affiliating himself in buying, selling or dealing in securities.

Provided such stock-broker is entitled to buy, sell or deal in securities.

[F. No. 20(7)/SE/92]

KAMALA PANDE, Jt. Secy.

